केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 340 गुरूवार 4 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### छात्र नेता बृजेश चौधरी के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ए.पी.एन. पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र नेता एवं सरदार पटेल स्मारक संस्थान के अध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी के पुत्र बृजेश चौधरी की 52 वर्ष की आयु में लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। बक्सई घाट स्थित कुंआनों तट पर बृजेश का अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

भारतीय कुर्मी महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के संयोजन में गोटवा स्थित पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बृजेश चौधरी होनहार युवक थे, उनका निधन बड़ी क्षति है।

बृजेश चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में कुर्मी महासभा के मंडल अध्यक्ष डॉ हनुमान प्रसाद चौधरी आर. के. सिंह पटेल, बद्री प्रसाद चौधरी, अरविन्द चौधरी, ई.के.सी. चौधरी, ई. रघुनाथ पटेल, डा. आलोक रंजन, अशोक वर्मा, विद्यासागर चौधरी, डा. श्याम नरायन, अशोक चौधरी, कल्याण, उदयभान चौधरी, मार्तण्ड वर्मा, प्रमोद कुमार चौधरी, संदीप चौधरी, अजय चौधरी, घनश्याम चौधरी, तेज कुमार चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, राधेश्याम चौधरी, मायाराम चौधरी, स्वामीनाथ चौधरी, आदि शामिल रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

### निरीक्षण में खुली अस्पतालों की पोल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में संचालित पैथालॉजी, हॉस्पिटल और अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर सीएमओ ने मय टीम ताबड़तोड़ छापेमारी की। छापेमारी में 20 ऐसे सेंटर मिले, जहां खामियां उजागर हुईं। कहीं चिकित्सक और स्टाफ नहीं तो कहीं वैध पंजीयन नहीं मिला। बावजूद इसके मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। इस पर सीएमओ डॉ. आरएस दुबे ने सख्ती दिखाई और सभी को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

सीएमओ ने बताया कि पंजीकृत अस्पतालों, पैथालॉजी और अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर तैनात चिकित्सकों और कर्मियों का सत्यापन के लिए छापेमारी की गई। हिंद डायग्नोस्टिक सेंटर पचपेड़िया में चिकित्सक नहीं थे। मरीज संबंधित कार्य किया जा रहा था। न्यू शांति हॉस्पिटल पचपेड़िया अरजिस्टर्ड मिला, चार मरीज भर्ती थे। स्टार हॉस्पिटल पचपेड़िया में संचालक तथा रजिस्ट्रेशन में वर्णित चिकित्सक व अन्य कर्मी कोई भी नहीं मिला।

मरियम हार्ट हॉस्पिटल पचपेड़िया में रजिस्ट्रेशन नहीं दिखाया गया, चिकित्सक नहीं थे। सागर हॉस्पिटल स्टेशन रोड में पर्सन इंचार्ज चिकित्सक नहीं थे। ताहिरा हॉस्पिटल स्टेशन रोड में ड्यूटी रोस्टर दिन एवं दिनांकवार नहीं बनाया गया था और न ही रजिस्ट्रेशन में वर्णित पैरामेडिकल स्टाफ थे। नेशनल हेल्थ सेंटर स्टेशन रोड में फुलटाइम चिकित्सक के साथ पैरामेडिकल स्टाफ नहीं थे। भारत हॉस्पिटल स्टेशन रोड अरजिस्टर्ड होने के साथ चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ भी नहीं थे, बावजूद इसके मरीजों से संबंधित कार्य किया जा रहा था। जीएस हॉस्पिटल स्टेशन रोड अरजिस्टर्ड होने के साथ चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ भी उपलब्ध नहीं थे, फिर भी मरीजों से संबंधित कार्य किया जा रहा था। न्यू संजीवनी हॉस्पिटल दक्षिण दरवाजा में रजिस्ट्रेशन नहीं दिखाया गया, साथ ही चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं रहे। मरीज भर्ती थे। सहाय हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर पाकड़डाड़ में रजिस्ट्रेशन में वर्णित चिकित्सक एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ नहीं थे। एसके पैथालॉजी सेंटर लालगंज अरजिस्टर्ड पाया गया। खून संबंधित जांच की जा रही थी। हैपी आई सेंटर लालगंज अरजिस्टर्ड मिला। आंख से संबंधित जांच और ऑपरेशन किए जाने के लिए एक नोटिस चस्पा की गई थी। हरिओम पैथालॉजी लालगंज अरजिस्टर्ड मिला। रजिस्ट्रेशन नहीं था, फिर भी खूब से संबंधित जांच की जा रही थी। दीक्षा पैथालॉजी लालगंज में सत्यापन के दौरान केंद्र संचालक केंद्र छोड़कर बाहर चले गए। बार–बार बुलाने पर भी संचालक उपस्थित नहीं हुए।

## हाथरस हादसे में साजिश की आशंका, हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में हागी न्यायिक जांच

### –जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई–योगी

हाथरस (आभा)। हाथरस हादसे में 121 लोगों की मौत के पीछे केवल हादसा ही नहीं साजिश भी होने की आशंका सीएम योगी ने जताई है। बुधवार की सुबह घटनास्थल का दौरा करने के बाद सीएम योगी ने घटना की न्यायिक जांच कराने का भी ऐलान किया। कहा कि हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में इसकी जांच होगी। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए अलीगढ़ एडीजी की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई है। उन्होंने प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। उन्हें इस घटना के तह में जाने के लिए कहा गया है। कई ऐसे पहलू हैं जिनकी जांच होनी आवश्यक है। योगी ने कहा कि अब तक प्रथमदृष्टया हमारी कार्रवाई राहत और बचाव के अलावा आयोजकों को पूछताछ के लिए बुलाना। हादसे के बारे में उनसे भी पूछताछ करना और जिम्मेदारों की लापरवाही तय करना है। इसके लिए एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

कहा कि इस बात को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि इस प्रकार की घटना केवल एक हादसा नहीं हो सकती है। अगर हादसा भी है तो इसके पीछे कौन जिम्मेदार है। अगर घटना हुई है और हादसा नहीं तो साजिश है। इस साजिश के पीछे कौन है इसके लिए न्यायिक जांच कराएंगे। इसकी जांच हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में होगी। इसमें प्रशासन और पुलिस के भी रिटायर सीनियर अधिकारियों को रखकर पूरी घटना के तह में जाकर जांच करेंगे। जो भी दोषी होगा उसे इसकी सजा देना और घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसे सुनिश्चित किया जाएगा। न्यायिक जांच के लिए नोटिफिकेशन आज ही जारी हो जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि ऐसे आयोजनों में अंदर सेवादार और स्वयंसेवक ही पूरे व्यवस्था का संचालन करते हैं। जहां पर भीड़ अनुशासित होती है और श्रद्धा भाव के साथ लोग आते हैं तो अनुशासित ही रहते हैं। लेकिन जब यही कार्यक्रम निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों का खिलौना बन जाता है तो अनुशासनहीनता का नजारा देखने को मिलता है। इसका शिकार निर्दोष व्यक्ति होता है जो श्रदा के साथ आता है। क्योंकि उसे साजिश का पता नहीं होता है। लेकिन साजिश करने वाले साजिश करके चुपचाप वहां से खिसक जाते हैं। अगर हादसा था तो सेवादारों को व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए था। अगर सुदृढ़ नहीं कर पा रहे थे तो प्रशासन की मदद से हादसे का शिकार लोगों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए थी। वहां लोग मरते गए और सेवादार भागते चले गए।

सीएम योगी ने कहा कि घटनास्थल पर मैं स्वयं गया था। हमारे तीन मंत्रियों के अलावा मुख्य सचिव और अन्य अफसर भी यहां पर कैंप कर रहे हैं। सीनियर प्रशासनिक और पुलिस के अफसर भी जिम्मेदारों की जवाबदेही की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कुछ विशेष दल बनाए गए हैं। इसमें अलग अलग दलों के जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय करेंगे।

सीएम योगी बुधवार की सुबह घटनास्थल भी गए। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि 121 लोगों की मौत हुई है। इसमें यूपी के अलावा एमपी, राजस्थान और हरियाणा से जुड़े थे। यूपी में 16 जिलों हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, शाहजहांपुरु, आगरा, फिरोजाबाद, नोएडा, मथुरा, औरैया, पीलीभीत, संभल और लखीमपुर खीरी जनपदों के लोग हादसे के शिकार हुए हैं। 121 में से छह लोग अन्य राज्यों से थे। इनमें एमपी के ग्वालियार का एक, हरियाणा के चार और राजस्थान के चार लोग थे। योगी ने कहा कि हाथरस के जिला अस्पताल में 31 ऐसे घायल हैं जो हाथरस, अलीगढ़ और मथुरा के अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

## हेमंत सोरेन तीसरी बार बन सकते हैं मुख्यमंत्री

रांची (आभा)। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन इस्तीफा दे सकते हैं। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को मिली जमानत के बाद से ही झारखंड में राजनीतिक फेरबदल के संकेत मिल रहे थे। इसी बीच सूत्रों ने बताया है कि वर्तमान सीएम चंपई सोरेन इस्तीफा दे सकते हैं। इस्तीफे की अटकलों के बीच बुधवार दिन में हुई बैठक के बारे में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के एक सूत्र ने बताया, 'बैठक में चंपई सोरेन के स्थान पर हेमंत सोरेन को लाने का निर्णय लिया गया।' उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के आवास पर हुई बैठक में गठबंधन के नेताओं और विधायकों ने सर्वसम्मति से हेमंत सोरेन को झामुमो विधायक दल का नेता चुनने का फैसला किया। ऐसे में श्रडड के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन राज्य में पार्टी नीत गठबंधन के विधायकों के बीच आम सहमति के बाद तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

## राज्यसभा में पीएम मोदी के भाषण के बीच विपक्ष ने किया वॉकआउट



नई दिल्ली (आभा)। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का पीएम मोदी ने बुधवार, को जवाब दिया। इस दौरान विपक्षी दलों ने सदन का वॉकआउट किया। इसके बाद एनसीपी–एससीपी के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार ने कहा कि वो (मल्लिकार्जुन खरगे) एक संवैधानिक पद पर हैं. चाहे वो प्रधानमंत्री हों या सदन के अध्यक्ष, उनकी जिम्मेदारी है कि वो सम्मान करें, लेकिन आज यह सब नजरअंदाज किया गया और इसलिए पूरा विपक्ष उनके साथ है और इसलिए हमने वॉकआउट किया।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने जब चर्चा का जवाब दे रहे थे तो पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ से कुछ कहने की अनुमति मांगी. आसन की ओर से यह अनुमति नहीं दिए जाने पर विपक्षी सदस्य नारेबाजी करने लगे. उनकी नारेबाजी के बीच भी जब प्रधानमंत्री ने अपना भाषण जारी रखा तब खरगे सहित कांग्रेस और विपक्ष के अन्य सदस्यों ने सदन से बहिष्कार कर दिया। विपक्षी के बहिष्कार के फैसले पर पीएम मोदी ने कहा कि देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती. जिनके हौसले नहीं हैं. उन्होंने जो सवाल उठाये उसके जवाब सुनने की हिम्मत नहीं है. विपक्ष उच्च सदन को अपमानित कर रहा है।

## स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने मांगो को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ बस्ती द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को वर्षों से लम्बित वेतन विसंगति तथा रिक्त पारस्परिक स्थानांतरण का लाभ देकर उन्हें गृह जनपद में तैनाती प्रदान किए जाने के संबंध में संघ के जिलाध्यक्ष डा सुधाकर पाण्डेय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया गया।

जिलाध्यक्ष डा सुधाकर पाण्डेय ने बताया कि विगत 20 जून को संघ द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा कार्मिको हेतु स्थानांतरण नीति बहाल करने और उन्हें उनके गृह जनपद में तैनाती देने के संबंध में एक अनुरोध पत्र मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया था और उस पत्र में यह भी सूचित किया गया था कि यदि 30 जून तक स्थानांतरण की सूचना प्राप्त नही होती है तो 3 जुलाई को समस्त जनपदों में जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को जिला इकाई द्वारा ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा दुर्भाग्यवश अभी तक इस मामले में किसी प्रकार की कार्यवाही विभाग द्वारा नही की गई है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2005 से संचालित हो रहा है और वर्तमान समय में इसमें लगभग एक लाख पैंतीस हजार संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों ने कोविड महामारी के दौरान अतुलनीय योगदान दिया है जिसके लिए प्रोत्साहित किया गया था लेकिन इन कार्मिको को वर्तमान में उत्तर प्रदेश में नीति के अभाव के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसमें मुख्य रूप से वेतन नीति का न होना और स्थानांतरण नीति का न होना शामिल है। वेतन नीति के अभाव के कारण वेतन विसंगति व्याप्त है और स्थानांतरण नीति न होने के कारण अल्प वेतन भोगी संविदा कार्मिकों को तैनाती अत्यंत दूर स्थानों पर मिलती है जिससे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

महामंत्री राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व में संघ द्वारा अनुरोध किया गया था कि अधिकांश संविदा कर्मचारियों की तैनाती उनके गृह जनपद से 200–500 किलोमीटर दूर होती है जिसमें अधिकांश महिलाएं भी शामिल हैं इस दूरी के कारण उन्हें न केवल यात्रा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है बल्कि वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी सही तरीके से निभा पाने में सक्षम नही हो पाते हैं इस कारण उनका परिवार बिखरा हुआ रहता है और वे अलग अलग जीवन यापन करने को मजबूर होते हैं। अल्प वेतन के कारण दो जगहों पर परिवार चलाना अत्यंत कठिन हो जाता है तथा कार्मिक के आश्रित बुजुर्ग परिवार के इलाज हेतु भी संविदा कर्मी को कार्यस्थल से इलाज कराने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है जिस वजह से उन्हें स्थानांतरण का लाभ दिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

ज्ञापन देने वालों में मजदूर संघ के अध्यक्ष अशोक सिंह, महामंत्री ओमप्रकाश गुप्ता, जेएनएचएम मण्डल अध्यक्ष संजय कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष निरंकुश शुक्ला, जन्मेजय उपाध्याय, सुमित कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## बस्ती में जोर पकड़ रही है विश्वविद्यालय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती मण्डल मुख्यालय पर विश्वविद्यालय स्थापना की मांग जोर पकड़ने लगी है। छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी दुर्गादत्त पाण्डेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दुबारा पत्र लिखा है। बस्ती मंडल मुख्यालय पर एक विवि की स्थापना हो इसके लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया है। श्री पाण्डेय ने इसके लिए बस्ती के जनप्रतिनिधियों से भी इस मुद्दे पर मुखर होने की की अपील की है। पिछले वर्ष एपीएन पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डाक्टर भानु प्रताप सिंह, अमर कंटक केंद्रीय विवि में प्रोफेसर एवं शिवहर्ष किसान पी जी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डाक्टर जगदंबा प्रसाद शुक्ल, बाबा साहेब बीआर अंबेडकर केंद्रीय विवि लखनऊ में सहायक प्रोफेसर बलजीत श्रीवास्तव, मुंबई से संगीत निर्देशक आनंद शांडिल्य ने मुख्यमंत्री योगी से उनके आवास पर मिलकर इसकी पहले की थी। विवि से संबंधित प्रत्यावेदन में जिसमें आईआईएमसी के तत्कालीन महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा एवं अन्य सामाजिक संगठनों का सुझाव भी शामिल है देते हुए मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया गया था। मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि स्थानीय शिवहर्ष किसान पी जी कॉलेज के पास इस हेतु आवश्यक जमीन भी उपलब्ध है जिसका उपयोग जनहित मे किया जा सकता है। सीएम योगी ने इस मुद्दे को ध्यानपूर्वक सुना और आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया था।

छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी दुर्गादत्त पाण्डेय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मुद्दे पर दुबारा पत्र लिखकर विवि स्थापना की माँग दुहराई है।

## विश्व हिन्दू महासंघ ने फूंका राहुल गांधी का पुतला



### -हिन्दुत्व का अपमान स्वीकार नहीं करेगा देश, माफी मांगे राहुल गांधी- अखिलेश सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिन्दू समाज को हिंसक कहे जाने पर विश्व हिन्दू महासंघ पदाधिकारियों, सदस्यों का गुस्सा भड़क उठा। बुधवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिला अस्पताल चौराहे के निकट राहुल गांधी का पुतला फूंका।

राहुल गांधी का पुतला फूंकने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि लोकसभा में जिस प्रकार से राहुल गांधी ने हिन्दू समाज और सनातन को हिंसक बताकर अपमानित किया, हिन्दू समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा कि राहुल गांधी देश के हिन्दू समाज से माफी मांगे। अखिलेश सिंह ने कहा कि सनातन परम्परा और हिन्दू समाज के योगदान के लिये राहुल गांधी के प्रमाण–पत्र की आवश्यकता नहीं है। देश का हिन्दू समाज राहुल गांधी को क्षमा नहीं करेगा।

पुतला दहन करने वालों में मुख्य रूप से सौरभ त्रिपाठी, राकेश सिंह, संदीप कुमार, विपिन सिंह, मनीष पाण्डेय, किशन गुप्ता, अमरदीप श्रीवास्तव, मोहंती गुप्ता, सत्य प्रकाश त्रिपाठी, जवाहरलाल चौधरी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, सिंपल त्रिपाठी, संजय पाण्डेय, विनय पाण्डेय, राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, विक्की पाण्डेय, अजय पाण्डेय, राहुल मौर्य, शिवम पाण्डेय, विनय तिवारी, पारसनाथ तिवारी, आशीष और कालू बाबा, बाबा जयप्रकाश दास, अमरजीत सिंह, बिंदु गोपाल त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ला, अमरीश श्रीवास्तव के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## शिक्षकों ने किया ऑन लाइन उपस्थिति का निर्णय वापस लेने की मांग



### —परिषदीय शिक्षकों के साथ दोहरा रवैया अनुचित—अभय सिंह यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष एवं संघ के जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियो और शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने खण्ड विकास अधिकारी बनकटी भवानी प्रसाद शुक्ला के माध्यम से मुख्यमंत्री के साथ ही विभागीय उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं से पंजिकाओं का डिजिटलाइजेशन और डिजिटल फेस छायांकन उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश वापस लिया जाय।

मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक, प्रमुख सचिव, महानिदेशक स्कूल शिक्षा, सचिव बेसिक शिक्षा, शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा आदि को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं से पंजिकाओं का डिजिटल उपस्थिति कराये जाने का निर्देश जारी किया गया है जबकि अन्य विभागों में बायोमेट्रिक प्रणाली लागू किया गया है या लागू किया जाना है। ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षकों से दोहरा मापदण्ड अपनाकर पंजिकाओं का डिजिटलीकरण किया जाना न्यायसंगत नहीं है। दोहरे मापदण्ड से शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों में आक्रोश है। इसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय।

बुधवार को जारी बरसात के बीच ज्ञापन देने के बाद प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के अध्यक्ष एवं संघ के जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार माना गया है कि किसी भी व्यक्ति का डिजिटल ऑनलाइन फोटो प्रयोग किया जाना डिजिटल फेस छायांकन उस व्यक्ति के निजता के अधिकार का हनन है। ऐसी स्थिति में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं से पंजिकाओं का डिजिटलाइजेशन और डिजिटल फेस छायांकन का निर्णय उचित नहीं है। इसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय। संघ के मंत्री चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि विद्यालयों में स्थानीय समस्याओं का समाधान करने हेतु खंड विकास अधिकारी बनकटी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों पर टाइलीकरण कराए जाने, विद्यालयों के नियमित साफ सफाई कराए जाने, विद्यालयों पर खराब हैंडपंप को रिवोर कराने की मांग की गई।

ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दुर्गेश राव, संगठन के संरक्षक रामचन्द्र शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मारूफ खान, उपाध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी, मंजेश राजभर, जय प्रकाश शुक्ला, दीपक चौरसिया, रबिप्रताप सिंह, मोहम्मद गुफरान, कार्यवाहक अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल, मोहम्मद कामरान, मोहम्मद अबु माज, अजित जयसवाल, मुकेश चौधरी, अभिषेक यादव, विपिन तिवारी, विक्रांत दुबे, राघवेन्द्र उपाध्याय, आदित्यनाथ तिवारी, दान बहादुर यादव, राज कुमार दुबे, कोषाध्यक्ष राम रेखा चौधरी, हेमंत कुमार, दिग्विजय नाथ यादव के साथ ही अनेक शिक्षक और संघ पदाधिकारी खराब मौसम, बरसात के बावजूद उपस्थित रहे।

## नगर में खोले जायेंगे 2 सरकारी माडल स्कूल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। नगर पंचायत नगर में दो सरकारी विद्यालय मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे। अच्छे माहौल में शिक्षण कार्य हो सके इसके लिए नगर पंचायत आवश्यक संसाधन मुहैया कराएगा। स्कूलों को स्मार्ट बनाने के लिए कायाकल्प तथा आकांक्षी योजनाओं से सभी स्कूल जोड़े जाएंगे। इस कार्य में निजी संस्थाओं से भी सहयोग लिया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने बताया है कि जूनियर हाईस्कूल नगर और कंपोजित विद्यालय खुटहन को मॉडल स्कूल के तौर पर विकसित लिए जाने की योजना पर कार्य शुरू हो चुका है। बुधवार को श्रीमती राना ब्लॉक संसाधन केंद्र नगर में सभी विद्यालयों के शिक्षकों की इस सन्दर्भ में एक सभीक्षा बैठक में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा हमारा प्रयास होगा कि सुविधाओं से सुसज्जित सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।लगभग आधा दर्जन सरकारी विद्यालयों में नगर पंचायत द्वारा बाउंड्रीवॉल, टायलिंग, सड़कें ,शौचालय आदि बनाए जा चुके हैं शेष पर शीघ्र कार्य शुरू हो जाएंगे। नगर पंचायत स्थित कस्तूरबा विद्यालय को भी सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा को बेहतर कर हम राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हमे निजी विद्यालयों की भांति संसाधन बढ़ाकर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाना होगा। खेलों को भीं प्राथमिकता के तौर पर रखना चाहिए। बैठक में आकांक्षी योजना की कोर्डिनेटर सुश्री मोनिका झा, ब्लॉक समन्वयक डॉ प्रमोद सिंह, कस्तूरबा विद्यालय की वार्डेन नीलम पांडेय, प्रधानाध्यापक रीता यादव, राघवेंद्र त्रिपाठी, शिप्रा चतुर्वेदी, पूनम, शशिबाला, सुनीता, शीला मौर्या, अपर्णा सिंह, कन्हैया लाल भारती,सुधा, किरन पांडेय, शशि प्रभा आदि अध्यापक मौजूद रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 जुलाई 2024 गुरूवार

## सम्पादकीय

# सत्संग, मौतें और तंत्र

हाथरस की घटना ने जहां स्तब्ध कर दिया है वहीं चौकाने वाली बात है कि अभी तक बाबा के विरूद्ध मुकदमा तक दर्ज नहीं किया गया। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे गंभीरता से लिया, स्वयं मौके पर पहुंचे किन्तु जिम्मेदारों की प्रभावी गिरफ्तारी आवश्यक है। हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में सौ से अधिक लोगों के मरने की घटना ने पूरे देश को विचलित किया। सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था। बताते हैं जब बाबा का काफिला जाने लगा तो सेवादारों ने करीब पचास हजार से अधिक श्रद्धालुओं को रोक दिया। गर्मी व उमस वाली भरी दोपहर में सत्संग सुनने के बाद श्रद्धालु घर जाने को बेताब थे। फिर भगदड़ मच गई और जो गिरा वो उठ न सका। लोगों की चीख–पुकार को सुनने के लिये वहां पुलिस–प्रशासन की कोई व्यवस्था नहीं थी। नजदीकी जनपद एटा के अस्पतालों के बाहर लगे लाशों के अंबार हृदयविदारक थे। चारों तरफ करुण क्रंदन और अपनों को तलाशने की बेबसी थी। सौ से अधिक लाशों का ढेर देखकर आहत एक पुलिस कांस्टेबल का हार्टफेल होने से निधन हो गया। मरने वालों में अधिकांश महिलाएं थीं, वहीं कुछ पुरुष व बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को हाथरस से लगते एटा अस्पताल भेजा गया है। हादसा बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी पर सवाल उठाता है। सवाल यह भी है कि 17 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़कर कथावाचक बने बाबा में ऐसा क्या सम्मोहन था कि वहां मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक से हजारों श्रद्धालु जुटे थे। अब जांच, मुआवजे तथा कार्रवाई की बात कही जा रही है। सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस–प्रशासन का नहीं होता? जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी की जाती रहेगी। निस्संदेह, ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है।

बहरहाल आने वाले दिनों में जांच के बाद किसी के सिर पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा जाएगा। मगर इन मौतों का कसूरवार कौन है? जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी कमी कैसे पूरी होगी? बताते हैं कि प्रवचन करने वाले बाबा नदारद हैं। कहा जा रहा है कि यह एक निजी कार्यक्रम था, कानून व्यवस्था के लिये प्रशासन की ड्यूटी लगाई गई थी, लेकिन आयोजन स्थल पर भीतरी व्यवस्था आयोजकों के द्वारा की जानी थी। बड़े अधिकारियों का घटना स्थल पर जाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। लेकिन हकीकत है कि हम पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। इसे रोकने को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने भी कुछ गाइड लाइन्स जारी की थी। जिसमें राज्य सरकार, स्थानीय अधिकारियों, प्रशासन व आयोजकों को दिशा–निर्देश दिए गए थे। जिसके लिये भीड़ प्रबंधन से जुड़े लोगों की क्षमता विकसित करने व बेहतर प्रशिक्षण का सुझाव शामिल था। प्रशासन से भीड़ के व्यवहार व मनोविज्ञान का अध्ययन कर भीड़ प्रबंधन की बेहतर तकनीक विकसित करने को कहा गया था। जिसमें तिरुपति मंदिर हेतु आईआईएम अहमदाबाद की व्यवस्था की केस स्टडी भी शामिल थी। पुलिस को भी सख्ती के बजाय अच्छे व्यवहार के लिये कहा गया था। मगर रिपोर्ट का आज भी जमीन पर असर होता नहीं दिख रहा है।

# प्रकृति का प्रकोपः कहीं बाढ, कहीं सूखा

–पूनम आई. कौशिश–

राजधानी दिल्ली में मूसलाधार बारिश इतनी भयावह थी कि सारी सड़कों पर कमर तक पानी भर गया, सीवेज का पानी भी लोगों के घरों में घुसने लगा, उनकी गाडियां खराब हो गईं, कुछ तालाब में बतख की तरह तैरने लगीं, लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। राजनेताओं ने सरसरी तौर पर औपचारिक राजनीतिक सर्कस की अपनी भूमिका निभाई क्योंकि वे संसद में सरकार और विपक्ष के बीच जारी तू–तू, मैं–मैं में अत्यधिक व्यस्त थे। दिल्ली में उपराज्यपाल ने अधिकारियों के दल–बल के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, स्थिति का आकलन किया और अधिकारियों को समस्या को दूर करने का निर्देश दिया। फोटोग्राफरों ने इस दौरे की फोटो ली। इसके अलावा एक आपदा प्रबंधन बोर्ड का गठन किया गया। हर किसी ने अपने विचार और उपाय बताए और मूसलाधार बारिश के बीच जल भराव पर चर्चा हुई तथा हर कोई इस बात से संतुष्ट था कि उन्होंने अपना कर्त्तव्य निभा दिया है।

केवल दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में यही कहानी है। देश के विभिन्न राज्यों से जल भराव की खबरें मिल रही हैं। पंजाब में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। कई क्षेत्र पानी में डूब गए हैं। संभवतरू सर्वाधिक नियोजित शहर चंडीगढ़ में ट्रैफिक जाम लग गया और जलापूर्ति प्रभावित हुई। पिछले वर्ष सुखना झील का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद उसके फ्लड गेट खोले गए थे। राजस्थान सूखा क्षेत्र में आता है और उसके चार जिलों में भारी वर्षा हो रही है। तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। कुल मिलाकर देश के सूखा क्षेत्रों में अधिक वर्षा हो रही है और कृषि क्षेत्रों, जहां पर सामान्यतरू अधिक वर्षा होती है, वहां पर कम वर्षा हो रही है। वर्षा का वितरण भी समान नहीं है। देश में वर्ष में 318 दिन विषम मौसम की स्थिति बदली है जिसके चलते 3287 लोगों की मौत हुई। 1 लाख 24 हजार पशुओं की मौत हुई और 22 लाख 10 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में फसल बर्बाद हुई। पिछले वर्ष अगस्त सौ सालों में सबसे शुष्क महीना रहा और इस तरह 36 प्रतिशत कम वर्षा हुई। मई में उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप रहा और हीट वेव में 125 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसके चलते जलाशयों में जल स्तर घटा।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार 125 जलाशयों मे केवल 21 प्रतिशत पानी उपलब्ध था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, और केरल के 42 मुख्य जलाशयों में पानी का स्तर 17 प्रतिशत रह गया। गंगा के मैदान में स्थित बिहार के जिलों में धान की रोपाई शुरू हो जानी चाहिए थी, किंतु वहां पर सूखा पड़ा हुआ है। राज्य के 64 प्रतिशत हिस्सों में कम वर्षा हो रही है। महाराष्ट्र के 80 प्रतिशत भाग वर्षा पर निर्भर हैं और मराठवाड़ा और विदर्भ में मानसून देरी से पहुंचा है। पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां पर जून–जुलाई में कम वर्षा देखने को मिल रही है और इसका कारण मानव है। मारी अवसंरचना विकास, सड़कों, घरों, होटलों, बहुमंजिला इमारतों का अनियोजित निर्माण, जल–मल व्ययन प्रणाली, सड़कों, सुरंगों, और पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में जल विद्युत परियोजनाओं और बांधों आदि के कारण दबाव बढ़ रहा है।

देश में चक्रवात, बादल फटना, अचानक बाढ़ आना आदि आपदाएं हर वर्ष आती हैं और सरकार केवल तब ही क्यों हरकत में आती है, जब लाखों लोग बेघर हो जाते हैं और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हो जाती है? स्पष्ट शब्दों में कहें तो सब कुछ काम चलाऊ है। विडंबना देखिए। आपदा प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न आपदा आने के कई दिनों के बाद पहुंचता है और इसके लिए जटिल नौकरशाही की प्रक्रिया जिम्मेदार है। हवाई जहाज से खाना पहुंचाया जाता है और इसमें से आधे से अधिक खाना पानी में गिर जाता है और जो लोगों के बीच पहुंचता है, उसको लेकर भगदड़ मच जाती है। प्रश्न उठता है कि सरकार बुनियादी सुझावों को लागू क्यों नहीं करती? वर्षा, बादल फटना, भूकंप, बाढ़ आदि के लिए दीर्घकालीन उपाय क्यों नहीं किए जाते?

प्रशासन की विफलता के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए और किसे दंडित किया जाए? यह विभिन्न राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के अधीन असंवेदनशील प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है कि वे पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों को भी नहीं छोड़ते और ये क्षेत्र उनके प्रलोभन का शिकार बन जाते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की घटनाएं और बढ़ जाती हैं। शासक वर्ग विशेषज्ञों के सुझावों को नजरंदाज करते हैं और प्रशासन कोई सबक नहीं लेता। वर्ष 2022 में उत्तराखंड के जोशीमठ में भूमि में दरारें और बेंगलूर के टैक पार्कों में बाढ़ से कोई सबक नहीं लिए गए। इंटर गवर्नमैंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज में पाया गया है कि हिमालय सहित विश्व भर के पहाड़ों में अधिक वर्षा हो रही है, जहां पहले बर्फबारी होती थी। इसके अलावा पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में तेजी से परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे ग्लेशियर क्षेत्रों के लिए खतरा पैदा हो रहा है। निरूसंदेह आवश्यकताओं के आधार पर नीतियों का निर्माण करना और समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए अधिक संसाधन और बदलाव की प्रक्रिया के बारे में अधिक सूचनाएं जुटानी होंगी जिसके चलते बेहतर उपाय किए जा सकें।

हमारे नेताओं को विद्यमान विकास मॉडल पर पुर्नविचार करना होगा तथा निर्णय लेने और नीति निर्माण के संबंध में विशेषज्ञों के अनुभवों का उपयोग करना होगा। बढ़ती हुई जनसंख्या और स्थानीय पारिस्थितिकीय तंत्र पर इसके प्रभाव से उत्पन्न समस्याओं पर विशेष ध्यान देना होगा। मकानों के अनियोजित निर्माण, पर्यावरण, अस्वच्छता आदि पर ध्यान देना होगा। समय आ गया है कि हम अपनी प्रबंधन रणनीतियों का मूल्यांकन करें कि ये कितनी प्रभावी हैं। चेतावनी प्रणालियों की स्थापना की जानी चाहिए, जिनमें राडार आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाए और साथ ही पर्यावरण के संरक्षण का दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

स्थिति स्पष्ट है। पर्यावरण की कीमत पर विकास नहीं हो सकता। हमारे राजनेताओं को सजग रहना होगा और अल्पकालिक की बजाय दीर्घकालीन नियोजन पर ध्यान देना होगा और इसके लिए न तो आपको अत्यधिक संवेदनशील होने की आवश्यकता है और न ही उदासीन होने की। यदि हम आपदा के बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाते हैं तो निश्चित रूप से भविष्य में और आपदाएं और दुखदायी खबरें आएंगी। एक पुराने कॉमिक की कुछ पंक्तियां याद आती हैं कि हमने दुश्मन को देख लिया है और वह दुश्मन हम स्वयं हैं।

# मोदी सरकार की आर्थिक नीतियां और मंहगाई

– कमलेश पाण्डेय–

केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के मुकाबले तीसरी बार के कार्यकाल के लिए उनकी पार्टी भाजपा को जनादेश कम मिलने का रहस्य उनकी आर्थिक नीतियों में भी छिपा है, जो यह चुगली कर रहा है कि इनके पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में भारत के लोगों की शुद्ध बचत में गिरावट आई है, जबकि खर्च में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि उनकी सरकार के मातहत काम करने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट–2024 बोल रही है।

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले एक दशक यानी मोदी युग में न केवल लोगों की शुद्ध बचत घटी है, बल्कि इसी बीच आई वैश्विक कोरोना महामारी के चलते भी लोगों के बचत करने के व्यवहार में आमूल चूल बदलाव आया है। यदि मोदी सरकार इसे समय रहते ही समझ गई होती तो उसे गठबंधन की बैशाखी पर चलने की जरूरत ही नहीं पड़ती और न ही 400 पार का सपना टूटता।

अब बात करते हैं आरबीआई की इस रिपोर्ट की, जिसके मुताबिक, देशवासियों के बीच बचत कम होने के दो मुख्य कारण हैं– पहला यह कि अब लोग सोना–चांदी, जमीन–घर और म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। और दूसरा यह कि, लोगों का घरेलू खर्च यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, आम उपभोग आदि बढ़ा है, जिसकी वजह से शुद्ध वित्तीय बचत में भारी कमी दिखाई पड़ी है। बता दें कि वित्त वर्ष 2022–23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013–22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। इसी तरह से लोगों के पास शुद्ध वित्तीय बचत में भी 11.3 प्रतिशत की गिरावट आई है जो 2022–23 में गिरकर 28.9 प्रतिशत रह गई है, जबकि 10 वर्षों का औसत 39.8 प्रतिशत रहा है।

वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भले ही घरेलू बचत में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, लेकिन वह ज्यादा स्थाई नहीं रह पाई। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान कुल घरेलू बचत 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, परंतु उसके बाद जैसे ही लॉकडाउन खुला तो लोगों ने अपनी बचत को सम्पत्तियों के खरीदने पर खर्च करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही साथ लोगों की देनदारियों में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे नगदी के रूप में बचत गिरती चली गई। वहीं, कोरोना के बाद से लोग बचत को बैंक खातों में एफडी व अन्य रूप में रखने से बच रहे हैं। जबकि सम्पत्तियों को खरीदने के लिए कर्ज लेने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि कृषि और व्यवसायिक लोन में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी का 40 प्रतिशत घरेलू उधार हो गया है, जो दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाले देशों में इंडोनेशिया, मैक्सिको, पौलेंड और ब्राजील से अधिक है।

देश के जीडीपी में वित्तीय बचत की हिस्सेदारी हुई कम हुई वहीं, आमलोगों के खर्चों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते शुद्ध रूप से वित्तीय बचत में गिरावट आई है। यदि मोदी सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के औसत के हिसाब से भी देखा जाए तो जीडीपी में शुद्ध बचत की हिस्सेदारी 2.7 फीसदी कम हो गई है। कहने का मतलब यह कि एक दशक पहले के आठ प्रतिशत से घटकर यह 2022–23 में 5.3 फीसदी पर आ गई है,जो चिंता की बात है।

रिपोर्ट बताती है कि अब लोगों को शेयर बाजार से अच्छा रिटर्न मिल रहा है, जो किसी भी बैंक और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा दिये जाने वाले ब्याज से कहीं ज्यादा है। सामान्य तौर पर बैंकों में सात से आठ प्रतिशत का सालाना रिटर्न मिल रहा है, लेकिन शेयर बाजार में पैसा लगाने वालों को मोटा रिटर्न मिला है। खासकर निफ्टी में पैसा लगाने वालों को ठीक–ठाक रिटर्न मिला है। आंकड़े बता रहे हैं कि जहां निफ्टी 50 में पहले वर्ष 29 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 13 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 15 प्रतिशत का रिटर्न मिला है, वहीं निफ्टी मिडकैप 150 में पहले वर्ष 56 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 26 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 25 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 250 में पहले वर्ष 63 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 23 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 28 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। जबकि निफ्टी माइक्रोकैप 250 में पहले वर्ष 85 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 37 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 42 प्रतिशत का रिटर्न मिला है।

इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार के बीते एक दशक में जहां एक ओर लोगों का खर्च बेतहाशा बढ़ा है, वहीं आमदनी लुढ़की है और बचत घटी है। वहीं, सिर्फ शेयर धारक ही मालामाल हुए हैं। इस स्थिति से परेशान आमलोगों ने सरकार की इंजन पार्टी रही भाजपा का संख्या बल घटा दिया, ताकि वह अपने मित्र दलों की सलाह भी सुने और पूंजीवादी ताकतों के हाथों खेलने के बजाय आम लोगों के लिए भी सही नहीं बनाए। यदि अब भी वह जनभावनाओं को दरकिनार करके चलेगी तो संभव है कि जनता उसके नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन को ही सत्ता से बाहर कर दे। इसलिए समय रहते सम्भलना जरूरी है, रिपोर्ट यही चुगली कर रही है।

**मोदी सरकार के बीते एक दशक में जहां एक ओर लोगों का खर्च बेतहाशा बढ़ा है, वहीं आमदनी लुढ़की है और बचत घटी है। वहीं, सिर्फ शेयर धारक ही मालामाल हुए हैं। इस स्थिति से परेशान आमलोगों ने सरकार की इंजन पार्टी रही भाजपा का संख्या बल घटा दिया, ताकि वह अपने मित्र दलों की सलाह भी सुने और पूंजीवादी ताकतों के हाथों खेलने के बजाय आम लोगों के लिए भी सही नहीं बनाए। यदि अब भी वह जनभावनाओं को दरकिनार करके चलेगी तो संभव है कि जनता उसके नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन को ही सत्ता से बाहर कर दे। इसलिए समय रहते सम्भलना जरूरी है, रिपोर्ट यही चुगली कर रही है।**

महँगाई एक जटिल समस्या है, जो वस्तुओं और सेवाओं को महँगा कर देती हैं। क्रेता वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करने के लिए पहले कि अपेक्षाकृत अधिक मूल्य चुकाने के लिए बाध्य होता है। महंगाई बाजार की उस अवस्था को कहा जाता है जब वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य एक निश्चित समय में बढ़ जाता है। महंगाई के कारण विक्रेता वस्तु और सेवाओं का मूल्य बढ़ने के कारण इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है क्योंकि इस वक़्त मुद्रा का मूल्य वस्तुओ कि तुलना में कम हो जाता है।

जब किसी देश में वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य एक निर्धारित समय में सामान्य से अधिक हो जाता है, वस्तुएं क्रय करने और सेवाओं का उपभोग करने के लिए पहले कि तुलना में अधिक मूल्य का भुगतान करना होता है। यह वह स्थिति होती है, जब मुद्रा शक्ति वस्तुओं और सेवाओं को क्रय करने के लिए घट जाती है। इसे अर्थशास्त्र कि भाषा में मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। महँगाई सकारात्मक और नकारात्मक (दमहं जपअम) दोनों प्रकार कि हो सकती हैं। नकारात्मक महंगाई वह होती है जब वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य कम हो जाता है और मुद्रा कि क्रय शक्ति में वृद्धि हो जाती है। दूसरी और सकारात्मक महंगाई में वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में वृद्धि और मुद्रा के क्रय शक्ति में कमी होती हैं।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं।

# नादानियों पर रहे नियंत्रण

–राजेन्द्र मोहन शर्मा –

हर व्यक्ति बच्चा हो या बूढ़ा, अज्ञानता, अभाव, अशक्ति व अहम और अहंकार के कारण कई प्रकार की नादानियां व गलतियां करता रहता है। यही गलतियां उसको भविष्य में इतनी भारी पड़ती हैं कि उसके पास पछताने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं रहता। बच्चों की बात करें तो आज के बच्चे ऐसे माहौल में पल रहे हैं कि उनकी आदतें जन्म से ही बदलती जा रही हैं। उनकी सोच में परिवर्तन होता जा रहा है तथा यदि इस पर अंकुश न लगाया गया तो उनका व देश का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। वे हर समय मोबाइल पर कुछ न कुछ देखते हुए पाए जाते हैं। छोटे–छोटे बच्चों को खाना खिलाने के लिए भी मोबाइल को उनके हाथ में थमाना पड़ता है।

यह ठीक है कि बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। पढ़ाई में कुछ बच्चे तो पूरे के पूरे अंक प्राप्त कर रहे हैं मगर जब यह बच्चे 15–16 वर्ष की आयु में प्रवेश करते हैं तब इनके शरीर में अदभुत–सा बदलाव आने लगता है तथा वे अपने मां–बाप की बात को भी नहीं मानते तथा उनको रोकने पर वे अपनों से भी नफरत करने लग पड़ते हैं। स्कूलों में जो भी पढ़ाई करवाई जाती है वह केवल अंक बढ़ाने के लिए ही करवाई जाती है तथा नकल का सहारा भी खूब लिया जाता है मगर ऐसी पढ़ाई हमारी जिंदगी में कहीं काम आने वाली नहीं होती। आज हजारों–लाखों युवा इसलिए बेरोजगार हैं क्योंकि उन्हें किसी पेशे से संबंधित पढ़ाई नहीं करवाई गई। आज चिन्ता इसी बात की है कि बच्चे कहीं गलत रास्ते पर जाकर अपना भविष्य नष्ट न कर लें। एक शायर ने खूब कहा है कि 'एक ही कदम उठा था राहे शौक में और मंजिलें तमाम उम्र मुझे ढूंढती रहीं।' आम सामान्य अध्यापक जो भी बच्चों को पढ़ाते हैं वह तो गूगल इत्यादि पर भी उपलब्ध होता है।

बहुत ही कम ऐसे अध्यापक हैं जो बच्चों को संस्कारी व शिष्टाचारी बनाते हैं तथा उनको एक अच्छा इंसान बनने की राह पर चलाते हैं। अध्यापक ही एक ऐसा वर्ग है जिससे बच्चे कुछ सीखते हैं। मां–बाप को तो बच्चे नकारते रहते हैं और उन्हें आऊटडेटड कहते हैं। आखिर मां–बाप अपने साथ कुछ नहीं ले जाने वाले, वो तो सब कुछ अपने बच्चों के हवाले ही छोड़कर चले जाते हैं। श्री राम ने अपने मां–बाप की खुशी के लिए अपने जीवन काल के 14 वर्ष खुशी–खुशी वनवास में काट दिए थे। बच्चों को चाहिए कि वे अपने मां–बाप के साथ कुछ समय गुजारें। एक सर्वे के अनुसार लगभग 50 प्रतिशत बच्चे नशे का शिकार हो चुके हैं तथा रोज सुनने को मिलता है कि फलां बच्चा नशे की ओवरडोज लेकर परमात्मा को प्यारा हो गया। नशा एक बहुत बड़ा व्यापार बन चुका है। नशे की दुकानें हर जगह मिल सकती हैं। आज के युवा मजनू बनते जा रहे हैं तथा नपुसंकता का शिकार भी होते जा रहे हैं। छोटी उम्र में ही बूढ़े लगने लगते हैं।

आखिर क्या कारण है कि 140 करोड़ वाले देश में कुछ गिने–चुने खिलाड़ी ही ओलिम्पिक मैडल जीत पाते हैं। सरकार की तरफ से उन्हें हर सुविधाएं दी जाती हैं मगर फिर भी वे कुछ विशेष नहीं कर पाते हैं। कहा गया है कि मिट्टी जब तक अपना हक अदा न करे, हवाओं के झोंकों से गुलाब के फूल नहीं खिला करते। मंजिलें चाहे कोई भी क्यों न हों, चाहे राजनीति और चाहे कोई अन्य व्यवसाय इन सब को पाने के लिए एक दृढ़ निश्चय व खूबसूरत रास्ता चुनने की आवश्यकता होती है। एक बार गलत रास्ता पकड़ लिया तो वह आपको मंजिल तक नहीं पहुंचा पाता तथा भटकने के लिए मजबूर कर देता है। दूसरी तरफ भटकाने वाले लोग बहुत होंगे जो आपको कभी भी सफल होते हुए नहीं देखना चाहेंगे। यदि आप कमजोर होंगे तो कोई भी व्यक्ति आपकी सहायता व सहयोग के लिए आगे नहीं आएगा। आज जरूरत है आत्मनिर्भर, सशक्त व मजबूत बनने की ताकि आप किसी के आगे झुकने के लिए मजबूर न हो पाएं।

बच्चों को अपने बूढ़े मां–बाप की कद्र करनी चाहिए क्योंकि मां– बाप एक ऐसी नेमत हैं जो एक बार छिन जाए तो दोबारा लौट कर कभी नहीं आती। मां–बाप तो वो बहार है जिस पर एक बार फिजा आ जाए तो ये बहारें फिर से नहीं आती। माता–पिता की हर खुशी का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि संसार में पवित्र रिश्ता मां–बाप का ही होता है।

# आम निकालने गई मां को फ्रिज से चिपका देख बचाने गई बेटी, सेकेंडों में दोनों की दर्दनाक मौत



संवाददाता–देवरिया। बुधवार को एक मां और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। इस दौरान तीन साल का एक और बच्चा झुलस गया। मां फ्रिज से आम निकालने गई थी तभी उसमें करंट उतर गया। मां को फ्रिज से चिपका देख बचाने गई बेटी भी करंट की चपेट में आ गई। सेकेंडों में दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा देवरिया के रुद्रपुर क्षेत्र में हुआ। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रुद्रपुर नगर पंचायत के आजाद नगर निवासी इस्तखार अंसारी उर्फ भंडारी की पत्नी शाहिदा (उम्र 55 वर्ष) बुधवार की दोपहर में करीब 12 बजे घर में रखे फ्रिज से आम निकालने गई थीं उसी दौरान फ्रिज में करंट उतरने से वह उससे चिपक गईं। पास खड़े 3 साल के बच्चे इरफान अंसारी उर्फ सोनू को भी करंट लगा और झटके से वह दूर जा गिरा। मां को फ्रिज से चिपका देख बेटी अफसाना (उम्र 30 वर्ष) उन्हें बचाने गईं। अफसाना भी करंट की चपेट में आ गईं। वह भी फ्रिज से चिपक गईं। देखते ही देखते मां–बेटी ने दम तोड़ दिया। अफसाना के पति का नाम शिबू अंसारी है। उनका घर देवरिया के ही मईल थाना क्षेत्र के तेलिया कला में है। मां–बेटी की मौत से मोहल्ले में मातम फैल गया। आसपास के लोगों की भीड़ इस्तखार–शाहिदा के घर पर इकट्ठा हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस दुखद घटना के बाद एसडीएम रत्नेश तिवारी, सीओ अंशुमान श्रीवास्तव और कोतवाल रतन पांडे ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

# हिन्दू संगठनों ने निकाली शव यात्रा, पुतला फूंका

संवाददाता–गोण्डा। संसद के मानसून सत्र में चर्चा के दौरान हिंदू समाज पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणी पर हिन्दू संगठनों में लोगों ने आक्रोश जताया है। आक्रोशित विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता बुधवार को रामलीला मैदान से डिग्री कॉलेज चौराहे तक राहुल गांधी के पुतले को अर्थी पर रखकर शव यात्रा निकाली। इसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। पदाधिकारी राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने की भी मांग कर रहे थे।

दोपहर में हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता रामलीला मैदान पर इकट्ठा हुए। विहिप नेता नेता राकेश वर्मा गुड्डू के नेतृत्व में हाथों में भगवा ध्वज व राहुल गांधी के पुतले को चार कंधों पर लादकर राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए डिग्री कॉलेज चौराहे पर पहुंचे। यहां पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंका। विहिप नेता राकेश वर्मा गुड्डू ने कहा कि अपनी राजनीति को चमकाने के लिए हिंदू समाज को अपमानित करना व हिंसक बताना कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान घृणा फैलाने वाला है। तुष्टिकरण की राजनीति व वर्ग विशेष के वोट बैंक को प्रभावित करने के लिए ऐसे बयान संसद में दिए गए हैं। इस दौरान केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति, भरत मिलाप समिति, नरसिंह यात्रा समिति के पदाधिकारियों सहित विहिप के विभाग सह मंत्री भरत गिरी, राघवेंद्र सिंह, रजत सोनी, रघुराज सोनकर, सुनील निषाद, प्रकाश कुमार, सोनू सोनकर, मिठाई लाल, बबलू वर्मा, बिरजू, ओम प्रकाश मौर्य, शनि वर्मा, धर्मेंद्र सिंह, अजय सिंह, चंद्रप्रकाश विश्वकर्मा, श्यामबाबू निषाद, अजय गौतम, अमन गौतम, संदीप निषाद अभिषेक वर्मा आदि मौजूद रहे ।

# मासूम को तेंदुए के जबड़े से छुड़ाने के लिए मां ने पांच मिनट तक किया संघर्ष, बच्चे की हालत गंभीर



संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के एक गांव में एक मासूम बालक अपनी मां के साथ चारपाई पर लेटा हुआ था। मंगलवार रात अचानक तेंदुए ने इन पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान मां की सूझ बूझ से बालक की जान बची। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की टीम ने मासूम की गम्भीर हालत को देखकर प्राथमिक उपचार करते हुए सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के वन रेंज के रमपुरवा वनकटी गांव निवासी गुरमुख सिंह का 5 वर्षीय बेटा अपनी मां के साथ मंगलवार की रात चारपाई पर लेटा हुआ था। तभी अचानक जंगल से आये तेंदुए ने छलांग लगाकर मां की बांह से बच्चे को छीन कर जबड़े में दबोच लिया। जिस पर मां ने अपनी जान की परवाह न करते हुये शोर मचाते हुए तेंदुए से भिड़ गयी। लगभग 5 मिनट के संघर्ष के बाद शोर सुनकर परिजन लाठी लेकर पंहुच गये। परिजनों को देख मां ने साहस दिखाते हुए अपने जिगर के टुकड़े को तेंदुए के जबड़े से खींच लिया। भीड़ देख तेंदुआ खेतों में चला गया। वहीं तेंदुए के हमले में पांच वर्षीय मासूम बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को फोन कर सूचना दी। मनमोहन वर्मा व प्रेम किशोर एंबुलेंस लेकर तुरन्त मौके पर पहुंचे और मासूम की गम्भीर हालत को देखते हुए एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार किया और बालक को परिजनों के साथ इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर ले गए। जहां पर डाक्टरों ने गम्भीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रिफर कर दिया है। वहीं मासूम बालक के परिजनों ने बताया कि लगातार तेंदुए की चहलकदमी गांव की तरफ है जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण काफी परेशान हैं। आए दिन तेंदुए के हमले हो रहे हैं। सूचना पाकर सुजौली वन रेंज के वन दरोगा अनिल कुमार पटेल व वाचर विकास राजपूत ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण कर ग्रामीणों को सतर्कता बरतने को कहा है।

# चार लेखपालों को सौंपा अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता–गोण्डा। कौरहे में आयोजित डीएम की चौपाल में निलंबित लेखपाल का कार्य क्षेत्र अब चार लेखपालों को सौंपा गया है। यह जानकारी एसडीएम अवनीश त्रिपाठी ने दी है। ईडब्लूएस , आय, जाति, वरासत आदि में रिपोर्ट लगाने के लिए हजारों रुपए सुविधा शुल्क की मांग करने वाले लेखपाल बृजेश कुमार श्रीवास्तव के विरुद्ध डीएम की चौपाल में ग्रामीणों ने शिकायत की थी। जिसको गंभीरता से लेते हुए डीएम ने एसडीएम को जांच कराकर कार्यवाही का निर्देश दिया था। प्रारंभिक जांच में दोषी पाए जाने पर लेखपाल को निलंबित कर तहसीलदार को विस्तृत जांच करने का आदेश दिया । एसडीएम अवनीश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी लेखपाल बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निलंबित होने से उनका कार्य प्रभार चार लेखपालों को सौंपा गया है। लेखपाल राधाकांत मिश्रा को भवानी पुर व बिहुरी, दुर्गेश्वर प्रताप यादव को भोरहा , मुईनुद्दीन अंसारी को झानापुर ,जय प्रकाश वर्मा को बख्तरवा व राम लखन मौर्य को लालपुर ग्राम पंचायत का कार्य प्रभार सौंपा गया है।

# हाथरस की घटना पर वकीलों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। हाथरस घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजा दिलाए जाने के साथ दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व महामंत्री चंद्र मणि तिवारी के नेतृत्व में हाथरस में घटित घटना के विरुद्ध अधिवक्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा को ज्ञापन देकर दोषी लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इसमें शिकायत की गई है कि जहां पर लाखों की संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे वहां की सुरक्षा व्यवस्था को ताक पर रख कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बेवजह करीब सवा सौ से श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वकीलों ने घटना की जांच कराकर उसमें दोषी लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की बात की। इस मौके पर केके मिश्रा, गिरवर चतुर्वेदी, राजेश कुमार ओझा,भगवती प्रसाद पाण्डेय, अनिल कुमार सिंह, उमाकांत श्रीवास्तव,अवधेश शुक्ला, देवेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

# डीएम ने लगाया भड़की खड़ाऊराज पर प्रतिबंध

संवाददाता–गोण्डा। जिले के क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों में खड़ाऊ राज्य का बोलबाला है। अधिकांश ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत की बैठक में स्वयं मौजूद न रहकर उनके प्रतिनिधि रहते हैं। यह प्रतिनिधि अधिकारियों पर भी रौब जमाते हैं। इससे नाराज डीएम ने खड़ाऊराज पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। डीएम ने कहा कि अब क्षेत्र पंचायत या फिर ग्राम पंचायत सहित किसी भी शासकीय बैठक में अगर प्रतिनिधि दिखे तो उनके ऊपर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। जिससे जिले में एक बार फिर ऐसे प्रतिनिधियों की सांसे फूलने लगी हैं। डीएम नेहा शर्मा के तेवर के बाद ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान के तथाकथित प्रतिनिधियों के बीच हड़कंप मच गया है।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि वास्तविक जनप्रतिनिधि के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनका प्रतिनिधित्व अथवा शासकीय कार्यों का संपादन अपराध की श्रेणी में आता है। अतः यह आदेशित किया गया है कि ग्राम तथा क्षेत्र पंचायत स्तरीय कार्यालय में वास्तविक जनप्रतिनिधि के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को संबंधित जनप्रतिनिधि के कार्यालय का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी कार्यालयाध्यक्ष को सौंपी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि कोई इस तरह का कृत्य करने की चेष्टा भी करता है तो तत्काल इसकी सूचना संबंधित थाना प्रभारी को देने के साथ ही जिला स्तर के वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को भेजनी होगी। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि की व्यवस्था सिर्फ सांसद एवं विधायकों के लिए मान्य है। सांसद एवं विधायकों की अनुपस्थिति में यह प्रतिनिधि शासकीय बैठकों में शामिल होते हैं। लेकिन, अब यह व्यवस्था ग्राम एवं क्षेत्र पंचायत स्तरीय कार्यालय में भी देखने को मिल रही है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने यह साफ कर दिया है कि यदि किसी कार्यालय में अनधिकृत व्यक्ति द्वारा शासकीय कार्यों में हस्तक्षेप अथवा कार्यालय के उपयोग की अनाधिकार चेष्टा की जाती है तो तत्काल इसकी सूचना थाना प्रभारी को दी जाए। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

# महिला गैंगस्टर को दो वर्ष की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला राज बहादुर राम देव ने महिला गैंगस्टर की आरोपी महिला को दो वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता उदय प्रताप वर्मा के अनुसार थाना धानेपुर अंतर्गत ग्राम भौरहा पुरवा पूरे नेवल पहड़वा निवासिनी चंद्रकला पत्नी पप्पू यादव के विरुद्ध गैंगस्टर की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित अभियुक्ता को दोषी करार दिया।

# सोशल ऑडिट टीम ने पात्रता जांची

संवाददाता–गोण्डा। बनगाई में बुधवार को सोशल आडिट टीम के प्रशिक्षक और प्रशिक्षित सदस्यों ने गांव में मनरेगा से किए गए कार्यों, प्रधानमंत्री आवास एवं वृद्धावस्था पेंशनरों, पारिवारिक लाभ के लाभार्थियों के पात्रता की जांच की। जिला प्रशिक्षण अधिकारी अभिषेक मणि त्रिपाठी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सोशल आडिट टीम के सदस्यों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रशिक्षक अभिषेक कुमार, मनोज कुमार मिश्रा व एलपी मिश्रा के नेतृत्व में सभी टीम सदस्यों ने ब्लाक रुपईडीह के ग्राम पंचायत बनगाई में मनरेगा के तहत किए गए कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां पंजीकृत 385 जॉब कार्ड, एक्टिव 225 जॉब कार्ड का अवलोकन, 26 प्रधानमंत्री आवास की स्थिति का निरीक्षण, 36 वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन किया जिसमें दो व्यक्ति पेंशनर मृतक पाए गए। इसमें ब्लाक ऑर्डिनेटर राकेश कुमार गौतम, चंद्रशेखर मिश्रा, विजय कुमार मिश्रा,अशोक कुमार पाठक, राजेश पाठक, मलखान सिंह, रमेश पाण्डेय, वंशी प्रसाद गोस्वामी, सरोजनी सिंह, अंजना तिवारी,गुरु बचन, घनश्याम,राम अनुज, त्रिशुल धारी दूबे शिवकुमार,राम शरन,सच्चिदानंद तिवारी,विजय श्रीवास्तव, बच्छराज पासवान,ओम प्रकाश,सालिकराम, हरिद्वार प्रसाद मिश्र, नसरुद्दीन, रामफेर, नायब सिंह, विश्वनाथ , छिराऊ प्रसाद, रेवती रमण, राजेश मिश्रा, विनयकांत, माधव राज दुबे, कुंवर प्रसाद, बब्बन मिश्रा रहे।

# श्री रंगराघव भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा स्वामी श्रीनिवासाचार्य महाराज की अध्यक्षता में हुई शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



अयोध्या। संत शिरोमणि संत गोपाल दास जी महाराज के पूर्ण स्मृति में ऋण मोचन घाट स्थित नवनिर्मित श्री संत गोपाल मंडपम में चल रहे श्री रंगराघव भगवान का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज किस संयोजन में श्रीकाञ्ची प्र.भ. जगदगुरु गादिरवामि श्रीनिवासाचार्य जी महाराज काञ्ची पुरी की अध्यक्षता में बुधवार 3 जुलाई को प्रारंभ हो गया जो 7 जुलाई को रथ यात्रा और कल्याण विवाह महोत्सव के साथ संपन्न होगा। स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज ने बताया कि यह महोत्सव संत शिरोमणि संत गोपाल दास जी महाराज के पूर्ण स्मृति में उन्हीं के आदेश पर हो रहा है और उन्हें का आशीर्वाद इस दास पर है कि बिना किसी से मांगे श्री संत गोपाल मंडपम आश्रम आज बनकर तैयार हो गया है जिसमें अयोध्या के ही इंद्रपाल सिंह की बहुत बड़ी भूमिका रही और वह इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान की भूमिका भी निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री रंग राघव भगवान की अद्भुत लीला है कि वह सब कार्य बड़े ही सरलता से करने जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में विविध कार्यक्रम हो रहे हैं जिसमें शालिग्राम भगवान की प्रतिदिन सहस्त्र अर्चना पूजा और 111 वैदिक विद्वानों द्वारा श्रीमद् भागवत पाठ नित्य हो रहा है।

श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस की बेला में श्रीमज्जगद्गुरु स्वामि वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी महाराज ने कहां की श्रीमद् भागवत कथा ऐसा अमृत है जिसको पी करके कभी मनुष्य तृप्ति नहीं होता बार–बार श्रवण करने की इच्छा होती है और यही इच्छा मनुष्य को मुक्त कर देती है, क्योंकि यह माया रुपी संसार से मुक्ति का एक ही साधन है श्रीमद् भागवत कथा और जो श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अपने जीवन में एक बार करता है निश्चित ही वह मुक्त हो जाता है। स्वामी जी के श्री मुख से इस पावन अवसर पर जब भगवान श्री राम के कुल देवता की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में हो रही है स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज के नेतृत्व मे देश के कोने–कोने से आए लोग नृत्य कर रहे हैं ऐसा अनुपम दृश्य अयोध्या में कभी–कभी देखने को मिलता है। स्वामी जी ने विस्तार से श्रीमद् भागवत कथा रूपी अमृत का पान कराया और सब गदगद हो गए कथा के अंत में आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया और प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर संत गोपाल मंडपम में नित्य भंडारे का आयोजन चल रहा है।

# अंतरजनपदीय गिरोह के चार गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के चार सदस्यों को धानेपुर पुलिस व एसओजी की टीम ने मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया है। बहराइच जिले के चारों शातिरों के पास पुलिस ने 55 हजार की नगदी समेत लाखों रुपये के जेवरात व तमंचा सहित चोरी करने के अन्य उपकरण बरामद किए हैं। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार ने बताया कि चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

धानेपुर थानाध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डेबरी कला गांव के मजरा दुबिहा के रहने वाले शुभकरन तिवारी, रामपति, पल्टूराम व नन्दलाल के घर में 11 मई की रात को दो अज्ञात चोर घुस गए और नकदी व जेवरात उठा ले गए थे। वहीं ख्वाजाजोत गांव के मजरा सेवकपुरवा के रहने वाले मनीष कुमार के घर से भी चोर 28 हजार रुपये की नकदी व अन्य सामान चुरा ले गए थे। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस की ओर से दोनों चोरी घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन में जुट हुई थी। बताया कि 2 जुलाई की रात को धानेपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुल्लापुर बनकट के मजरा खेवड़ापुर में स्थित सम्मय माता मंदिर के पास कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं। सूचना पर एसओजी पुलिस टीम के साथ मिलकर मौके पर घेराबंदी करते हुए मौके से चार लोगों को टीम ने दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए लोगों ने अपना नाम रोशन लाल पुत्र चन्द्रिका निवासी देवानपुरवा मौजा दिमितपुरवा थाना विश्वेश्वरगंज जनपद बहराइच बताया, इसी तरह ननगोड़े पुत्र ननकऊ पुत्र भगवान निवासी अरकंपुर लोनियनपुरवा थाना पयागपुर, बब्बू पुत्र रामप्रसाद निवासी वक्या मौजा रुकनापुर थाना पयागपुर व शिवबहादुर पुत्र रामदयाल निवासी अरकंपुर लोनियनपुरवा थाना पयागपुर जनपद बहराइच बताया।

इस घटना के बावत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत ने बताया कि आरोपियों ने धानेपुर के अलावा नगर कोतवाली क्षेत्र के करियापुरवा रोड जानकीनगर में व करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कंचनापुर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। साथ ही बहराइच जिले में भी कई वारदातें की हैं। आरोपियों के खिलाफ आसपास के जिलों में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। एएसपी ने बताया कि आरोपियों के पास से 55 हजार 990 रुपये की नगदी समेत लाखों रुपए के जेवरात चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं। इस गिरोह का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में धानेपुर थाने के उपनिरीक्षक परशुराम सिंह, उप निरीक्षक गजानन्द पाठक, हेड कांस्टेबल अशोक यादव, आनन्द प्रकाश यादव, फहिमुद्दीन खान, अखिलेश राय, एसओजी प्रभारी सर्वजीत गुप्ता मय टीम, उपनिरीक्षक शादाब आलम, हेड कांस्टेबल पंकज सिंह, अमित पाठक, महेन्द्र यादव, रणधीर सिंह व कांस्टेबल आदित्य पाल शामिल रहे।

# पूर्वाचार्य महंत दयाराम दास को संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

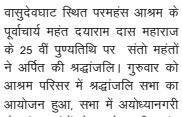



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री रामनगरी के वासुदेवघाट स्थित परमहंस आश्रम के पूर्वाचार्य महंत दयाराम दास महाराज के 25 वीं पुण्यतिथि पर संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि। गुरुवार को आश्रम परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ, सभा में अयोध्यानगरी के संत–महंतों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परमहंस आश्रम के वर्तमान महंत रामानंद दास ने कहा कि उनके गुरुदेव विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे। सरलता उनमें देखते हुए झलकती थी। उनके जैसा संत मिलना बहुत ही मुश्किल है। उन्होंने अयोध्या में एक आश्रम की स्थापना कर उसका विकास किया। मैं भी गुरुदेव के बतलाए हुए मार्ग पर चलकर मंदिर के विकास में कृत–संकल्पित हूं। आश्रम के व्यवस्थापक उत्तराधिकारी रामउजागर दास ने आए हुए संत–महंतों व विशिष्टजनों का स्वागत–सम्मान किया और बताया कि श्री महाराज जी भजनानंदी जी संत थे और निरंतर सभी को भजन और सेवा करने की ही प्रेरणा देते रहते थे इसीलिए गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से मंदिर में निरंतर सेवा का कार्य चलता रहता है। श्रद्धांजलि सभा मे मानस भवन महंत अर्जुन दास, संकटमोचन हनुमान किला के महंत परशुराम दास ,बावन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण, पत्थर मंदिर महंत मनीष दास, सार्वभौम महंत जनार्दन दास, महंत रामगोविंद शरण सहित सैकड़ों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

# पांच साल पहले गोंडा में भी सजा था नारायण साकार का दरबार, पैरों की धूल सिर पर लगाने के लिए मच गई थी होड़

संवाददाता–गोण्डा। हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र फुलराई मुगलगढ़ी में नारायण साकार हरि महाराज उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ से हुई मौत को यहां जिसने भी सुना वह कोसता रह गया। पांच साल पहले सूरजपाल सिंह उर्फ नारायण साकार ने गोंडा जिले में भी सत्संग किया था। इसमें हजारों लोगों की भीड़ जुटी थी। इसमें भी बदइंतजामी के मामले निकलकर आए थे। हालांकि, आयोजकों ने किसी तरह से कार्यक्रम संपन्न करा लिया था।

छह नवंबर 2019 को गोंडा–लखनऊ हाईवे पर हारीपुर गांव के पास सूरजपाल सिंह उर्फ नारायण साकार से जुड़े लोगों ने एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था। पांच दिन तक चले कार्यक्रम में लखनऊ, दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य जिलों के हजारों लोग शामिल हुए थे। सूरजपाल सिंह को पंतनगर स्थित एक मैरिज हाल में ठहराया गया था। यहां से सत्संग स्थल की दूरी करीब पांच किलोमीटर थी।

लग्जरी गाड़ियों के काफिले के साथ सूरजपाल अपने लाव–लश्कर के साथ रवाना हुआ था। उसके अनुयायी पूरे रास्ते में दो वाहनों से फूलों की बारिश करते हुए चल रहे थे। बाबा के पहुंचने पर उसको देखने के लिए लोग एक–दूसरे को धक्का देकर आगे जा रहे थे। पुलिस प्रशासन को भीड़ को काबू करने में काफी पसीना बहाना पड़ा था।

आयोजन से जुड़े अनुभव को साझा करते हुए लोनियनपुरवा की पतिराजी और नकहरा निवासी श्यामलाल ने बताया कि सतमार्ग पर चलने का संदेश भोले बाबा मंच से देते थे। मथुरा गांव निवासी मंगला व मीना देवी ने कहा कि नारायण साकार के जहां–जहां कदम पड़ते थे, उसकी धूल को माथे पर लगाने की होड़ मच गई थी। यहां कार्यक्रम पांच दिन चला था।

भीड़ के मुताबिक मुकम्मल इंतजाम न होने के चलते तमाम लोग कार्यक्रम से चले गए थे। नाम न छापने की शर्त पर कार्यक्रम से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भीड़ के अनुसार न तो छाजन का इंतजाम किया गया था और न पेयजल का बंदोबस्त था। लोग भूख से व्याकुल थे। कार्यक्रम में सबसे ज्यादा महिलाओं और बच्चों की संख्या थी। बदइंतजामी के कारण तमाम लोग कार्यक्रम स्थल से चले गए थे। हाईवे पर जाम की भी समस्या थी।

# पहाड़ी नालों ने बढ़ाई रेलवे की सरदर्दी

संवाददाता–गोण्डा। पहाड़ों पर हुई मूसलाधार बरसात के बाद गोंडा–बढ़नी–गोरखपुर रेल प्रखंड पर स्थित नाले रेलवे की सरदर्दी बढ़ा रहे हैं। रेलवे अधिकारी बता रहे हैं की पहाड़ी नाले उफान पर हैं। इससे गाड़ियों के संचालन में भी काफी दिक्कत हो रही है। रेल अधिकारी बता रहे हैं कि लगातार पानी बरसने से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। हालांकि, इन नालों का पानी कुछ ही कम समय में बह जाता है किंतु जब तक रहता है तब तक खासी सतर्कता बरतनी पड़ती है।

# युवक ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली देहात क्षेत्र के चिलबिला खत्ती पुर गांव निवासी 37 वर्षीय राजू मिश्रा पुत्र राम उजागर ने बुधवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया।


## कार्यालय, नगर पंचायत बभनान बाजार, जनपद– बस्ती

## –ःनोटिसः–

नगर पंचायत बभनान बाजार जनपद–बस्ती सीमान्तर्गत संचालित समस्त होटल/मैरेज हाल रेस्टोरेन्ट / सब्जी मण्डी के संचालको को सूचित किया जाता है कि अपने होटल/मैरेज हाल रेस्टोरेन्ट/सब्जी मण्डी से 50 किलोग्राम या इससे अधिक गीला कूड़ा प्रतिदिन उत्पादित करते है तो उन्हें बल्क वेस्ट जनरेटर (BWG) या अपषिष्ट जनरेटर माना जायेगा ऐसे सभी बल्क वेस्ट जनरेटर गीले कड़े का निस्तारण अपने परिसर में ही कम्पोस्टिंग के माध्यम से तथा सुखे कूड़े का नगर पंचायत बभनान बाजार के कूड़ा गाडी को देना सुनिश्चित करेंगे। जिन होटल/मैरेजहाल/रेस्टोरेन्ट सब्जी मण्डी संचालकों द्वारा गीले सुखे कुडों का निस्तारण नहीं किया जाता है। उन्हें नगरीय ठोस अपषिष्ट प्रबन्धन 2026 एवं राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) के इन्वायरमेंटल कम्पनसेशन अधिनियम की धारा 15 एवं 17 के अन्तर्गत जुर्माना अधिरोपित करते हुए विधिक कार्यवाही की जायेगी।

**अधिशासी अधिकारी**
नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती।

**अध्यक्ष**
नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती।

पत्रक मेमो / न0प0ब0बा0 / विज्ञप्ति/2024–25    दिनांक 26 जून, 2024

## नए कानून की बुजूर्ग दिग्गज भी कर रहे पढ़ाई, रट रहे धाराएं

संवाददाता–गोरखपुर। तकरीबन 50 साल बाद दीवानी कचहरी में एक बार फिर कानून की किताबों में ताकझांक होने लगी है। अधिवक्ताओं के टेबल पर नजर दौड़ाएं तो कानून की दो तरह की किताबें नजर आती हैं। एक नए तो एक पुराने कानून वाली। वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मानें तो 1973 में नए कानून के लागू होने के बाद भी ऐसे ही हालत थे। हर तख्ते पर दो–दो किताबें। वारदात को लेकर दो तरह की धाराओं का जिक्र। घटना कब की है, दस्तावेज तैयार करने में पीड़ित से सवाल–जवाब। वारदात की जो धाराएं जुबान पर रहती थीं, अब उसके लिए कानून के जानकारों को कानून की किताब का सहारा लेना पड़ रहा है।

विज्ञापन वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज शाही के तख्ते पर कुछ फरियादी और तीन–चार जूनियर अधिवक्ता मौजूद थे। अधिवक्ता विनोद कुमार आजाद मारपीट के एक केस से संबंधित कागजात तैयार कर रहे थे। धारा पर आकर अटक गए। सहयोगी से बोले–जरा बीएनएस की किताब में देखो कि नए कानून के तहत कौन सी धारा लगेगी। अब तो बड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। वरना आईपीसी की धारा ही अभी याद है। कानून के विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिवक्ता रमापति शुक्ल बताते हैं –1968 में कानून में बदलाव हुआ था। उस दौरान मेरी प्रैक्टिस करीब पांच साल की थी। कुछ दिनों तक परेशानी होती है। हम लोगों ने कानून की किताब का पूरा अध्ययन किया था। आज नए अधिवक्ताओं को भी चाहिए कि वे नए कानून को पहले पढ़ें। चुनौतियां तो आती हैं पर धीरे–धीरे अभ्यास में आ जाएगा। अधिवक्ता कृष्ण दीपक ने कहा कि अचानक हुए बदलाव के कारण इसे रट पाना आसान नहीं होगा। कागजात तैयार करते समय अभी आईपीसी की धारा ही लिख दे रहा हूं। यह गलती होने की वजह से बार–बार नए पेपर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। अभी एक प्रार्थनापत्र बनाना था, उसमें पुरानी धारा का उल्लेख हो गया था, जबकि घटना दो जुलाई की थी। फिर प्रार्थनापत्र फाड़कर दूसरा लिखना पड़ा।

तभी वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज शाही आए, उन्होंने प्रार्थनापत्र को दोबारा चेक किया। इसके बाद उसे आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि कानूनी काम में लिखा–पढ़ी में छोटी–छोटी बातों का ध्यान देना पड़ता है। कहीं गलती हो जाए तो केस पर उसका असर पड़ता है। दोपहर दो बजे के करीब दीवानी कचहरी में लंच हुआ था। अधिकतर अधिवक्ता उस समय कैंटीन में चाय–नाश्ते के साथ बीएनएस पर ही चर्चा करते दिखे। व वरिष्ठ अधिवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मैंने कानून की पढ़ाई पूरी कर 1987 में वकालत शुरू की। मेरी सीनियर बताते थे कि जब 1973 में कानून में संशोधन हुआ था, तब भी बहुत असमंजस जैसी स्थिति थी। हालांकि, उस समय आंशिक संशोधन ही हुआ था।

## बिहार के उप मुख्यमंत्री ने सरयू तट से राम मंदिर तक की पदयात्रा, रामलला को समर्पित की अपनी पगड़ी

संवाददाता–अयोध्या। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार सुबह रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। इससे पहले उन्होंने सरयू में डुबकी लगाकर पूजा–अर्चना भी की। उन्होंने अयोध्या में अपना मुंडन भी कराया और अपने केश सरयू तट पर समर्पित किया। इसके बाद सरयू तट से राम मंदिर तक पदयात्रा की। बिहार के उप मुख्यमंत्री चौधरी ने इस दौरान कहा कि भगवान राम के चरणों में मुरैठा (पगड़ी) समर्पित करने आया हूं। उन्होंने रामलला के दरबार में अपनी पगड़ी समर्पित की। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से हमने अभियान चलाकर इंडी गठबंधन की सरकार को हटाने का काम किया। नीतीश कुमार 28 जनवरी को इंडी गठबंधन छोड़कर एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री हुए। हम लोगों ने तय किया था कि अयोध्या जाकर श्रीराम के चरणों में मुरैठा समर्पित करेंगे। बिहार की जनता ने 75 फीसदी से अधिक सीटें जिताने का काम किया है। इंडी गठबंधन किसी भी तरह के कंफ्यूजन में नहीं रहे। एनडीए विधानसभा चुनाव में 243 में 200 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने हनुमंत लला के दरबार में भी दर्शन – पूजन किया।

## कुत्तों के झुंड ने महिला को नोचकर मार डाला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के थाना क्षेत्र स्थित कस्बे के हीरा मंडी चौराहे के पास घास काटने गई एक महिला पर कुत्तों की झुंड ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला की मौत हो गई। इसके बाद नगर में दहशत का मौहाल बना हुआ है। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। डुमरियागंज नगर पंचायत के आजाद नगर वार्ड की रहने वाले जन्तुतुन्निशा (46) पत्नी सैलाब सुबह करीब 9रू30 बजे हीरा मंडी चौराहे से पूर्व खेत में अपने पालतू बकरियों के लिए घास काटने गई थी। घास काटते काटते वह दो–तीन खेत आगे चली गई। जहां कुत्तों का झुंड घूम रहा था। जन्नतुन्निशा को अकेला पाकर कुत्तों ने घेर लिया। अचानक से उसके ऊपर हमला कर उसे काटने– नोचने लगे। थोड़ी दूर पर अपने खेत में काम कर रहे मजहर ने जब कुत्तों के हमले को देखा तो वह चिल्लाकर दौड़ते हुए जन्नतुन्निशा की तरफ पहुंचे। मजहर की आवाज सुन और लोग भी वहां पहुंच गए। इसके बाद लोगों ने कुत्तों को भगाया, हमले में महिला के शरीर से कई जगह से मांस के टुकड़े गायब थे। हमले में वह अचेत हो गई थी। इधर घटना की जानकारी होने पर उसके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उसके बाद लोगों से इलाज के लिए बेंवा स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर उसे बस्ती जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। परिवार वाले अस्पताल से शव लेकर घर चले आए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी है। एसडीएम डुमरियागंज डॉ संजीव दीक्षित ने बताया कि घूमंतू कुत्तों को पकड़ उन्हें इंजेक्शन दिया जाता है। वह पशुपालन विभाग और डाक स्ववाड दोनों टीमों के लोगों से बात करते हैं। जल्द से जल्द आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगवाया जाएगा।

## राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों पर डीएम ने जताई नाराजगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कार्यभार ग्रहण करने के बाद पहली बार जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने बुधवार को सदर तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों पर नाराजगी जताई। इसके अलावा विभिन्न पटलों से संबंधित पत्रावलियों का रखरखाव सही न होने पर संबंधित को फटकार लगाई। मोबाइल पर एक शिकायतकर्ता से मामले के निस्तारण की जानकारी ली, जिस पर पीड़ित ने संस्तुष्टि जाहिर की।

डीएम ने तहसील के निरीक्षण में खतौनी कक्ष को देखा। इसके बाद डाक डिसपैच रजिस्टर, नजारत आदि पटलों का जायजा लिया। आईजीआरएस शिकायत पत्रावली का रखरखाव ठीक ढंग से न होने पर नाराजगी जताई। पत्रावली को ठीक ढंग से रखने के लिए निर्देश दिया। एक आईजीआरएस शिकायतकर्ता को फोन लगाकर शिकायत की निस्तारण से संतुष्ट होने की जानकारी ली। शिकायताकर्ता ने बताया कि निस्तारण से संतुष्ट है। पारिवारिक सदस्यता प्रमाणपत्र, आरसी वसूली, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र आदि पत्रावली की गहनता से जांच की। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कोर्ट केस पत्रावली में पांच वर्ष से लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताई और शीघ्र निस्तारण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धारा–67 का मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. ललित कुमार मिश्र, तहसीलदार पीयूष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

## पॉलीथिन से चोक नाले निकाल रहे अभियान की हवा

संवाददाता–गोरखपुर। यूं तो उत्तर प्रदेश में पॉलीथिन पर प्रतिबंध की कोशिशें जारी हैं लेकिन लाख कोशिश के बाद भी इस्तेमाल कम होता नहीं दिखाई दे रहा। सरकारी मशीनरी के साथ–साथ कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी जागरुकता अभियान चला रही हैं, प्रतिबंधित पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने का शपथ दिला रही हैं लेकिन इस पर रोक नहीं लग पा रही है। पॉलीथिन से चोक नाले अभियान की पोल खोल रहे हैं।

## भारी बारिश के चलते आठवीं तक के सभी स्कूल 6 जुलाई तक बंद, डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता–गोरखपुर। मानसून पूरी तरह से मेहरबान हो चुका है। खासकर पूर्वी यूपी में झमाझम बारिश हो रही है। अगले कुछ दिनों तक पूर्वांचल के जिलों में कहीं भारी तो कहीं भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। इसे देखते हुए सीएम योगी के जिले गोरखपुर में अगले तीन दिनों तक आठवीं तक के स्कूलों को बंद रखने का आदेश जिलाधिकारी ने जारी किया है। इस बाबत स्कूलों को आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश का कड़ाई से पालन का निर्देश अफसरों को डीएम ने दिया है। जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश के अनुसार पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत मौसम विभाग और मौसम केंद्र लखनऊ ने पूर्वी यूपी में 3 जुलाई से 6 जुलाई तक गर्जना के साथ वज्रपात के साथ ही कहीं भारी तो कहीं बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से बुधवार को जारी बुलेटिन और एडवाइजरी के आधार पर गोरखपुर में पिछले दो दिनों में 54 और 74 मिमी कुल 128 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। अब भी बारिश जारी है। इसे देखते हुए कक्षा एक से आठवीं तक के सभी स्कूल छह जुलाई तक बंद रहेंगे।

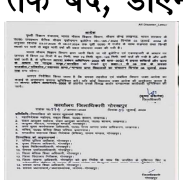

डीएम के अनुसार सरकारी के साथ ही राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त यानी सभी बोर्ड के स्कूलों को आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। डीएम ने सभी तहसील और संबंधित विभागों को आदेश का कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कहा गया है कि कोई स्कूल आदेश का पालन नहीं करता है तो आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

गौरतलब है कि गोरखपुर में बीते 24 घंटे में बादल जमकर बरसे हैं। आलम यह है कि जून में हुई कुल बारिश से भी अधिक बरसात सिर्फ मंगलवार को हुई है। इसके कारण किसानों ने राहत की सांस ली है। खास बात यह है कि अगले 24 घंटे में भी मौसम विभाग ने भारी बारिश का अनुमान जताया है। अगले चार दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। बुधवार को भारी बारिश हो सकती है। गुरुवार से लेकर शनिवार तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

मौसम में बदलाव का असर दिन व रात के तापमान पर भी दिखा है। बीते 24 घंटे में दिन के तापमान में सात डिग्री सेल्सियस और रात के तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। इससे पहले सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार आसमान में बादल छाए रहे। ठंडी हवाएं चलीं। इस वजह से हवा में नमी बढ़ गई। अधिकतम आर्द्रता 100 फीसदी पर पहुंच गई। न्यूनतम आर्द्रता 88 फीसदी रही।

## भारी बारिश होने से पीएचसी का टपकने लगी छत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के पीएचसी का भवन जर्जर होने से छत टपकने लगी है। इमरजेंसी का ड्रेसिंग कक्ष पानी से भर उठा है। इससे इस कक्ष में उपचार कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। पीएचसी कर्मियों ने इमरजेंसी मरीजों का दूसरे स्थान पर सामान सेट करके इलाज कर रहे हैं। इसके अलावा जलभराव हो जाने से पीएचसी में गंदगी की स्थिति भी बनी है। बीती मंगलवार की रात से हो रही बरसात बुधवार की दोपहर बाद तक कायम रहा। इसके चलते पीएचसी का छत जगह–जगह टपकने लगा है। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का इलाज करने के लिए कर्मचारी कक्ष से दूसरे जगह पर सारी उपकरण व दवाओं की व्यवस्था कर मरीजों का इलाज किये। पीएचसी पर जलभराव हो जाने से गंदगी की स्थिति बनी रही। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.अविनाश चौधरी ने बताया कि भारी बारिश होने से भवन में सिलन लग गया है। बरसात थमते ही इसे सही कराया जाएगा। कूड़े–करकट को भी साफ करवाकर पीएचसी को स्वच्छ बनाया जाएगा।

## बिजली पोल में उतरा करंट, भैंस की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एनएच 730 बढ़नी–इटवा मार्ग पर एक पोल में करंट उतरने से बुधवार को एक भैंस की मौत हो गई। क्षेत्र के मधवानगर गांव निवासी पशुपालक राम औतार पुत्र जगमोहन बुधवार की दोपहर में भैंस चराने गए थे। इस दौरान भैंस के पोल से सटते ही वह करंट की चपेट में आ गई और मौत हो गई। जेई सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि बरसात के मौसम में जिस जगह से करंट उतरने की सूचना मिल रही हैं, वहां तत्काल कर्मचारी भेजकर व्यवस्था को सही कराया जा रहा है। धर्मकांटे के पास करंट उतरने की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों को सही करने के लिए भेज दिया गया है।

## प्रार्थना करते समय गिरी प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्रीवाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के बगही गांव के टोला पतिला के प्राथमिक विद्यालय में कायाकल्प योजना के तहत बना बाउंड्रीवाल का कुछ हिस्सा बुधवार की सुबह बारिश के चलते गिर गया। इस दौरान छात्र प्रार्थना कर रहे थे। बाउंड्रीवाल के गिरते ही विद्यालय परिसर में अफरा–तफरी मच गई। बच्चे जोर–जोर से चिल्लाने लगे। हालांकि किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रभारी प्रधानाध्यापक हीरामणि त्रिपाठी ने बताया कि दीवार गिरने से बच्चे रोने लगे थे। जिन्हें समझाकर शांत कराया गया। बाउंड्रीवाल का गिरने से बचा हिस्सा जगह–जगह फट गया है। वह भी किसी दिन गिर सकता है। बीईओ अरुण कुमार ने बताया कि कई बार बीडीओ को लिखित व मौखिक रूप से पतिला गांव के विद्यालय के संदर्भ में अवगत कराया गया, लेकिन आश्वासन के अलावा आज तक कुछ नहीं मिला। बाउंड्रीवाल गिरने के संदर्भ में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

## सीएम योगी आज करेंगे कैंसर अस्पताल में सिकाई मशीन का लोकार्पण

संवाददाता–गोरखपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चार जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। वह इसी दिन हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान में अत्याधुनिक कैंसर सिकाई मशीन हेलसियान का लोकार्पण करेंगे। पांच जुलाई को सहजनवां में सर्वोदय बालिका विद्यालय का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान करीब 134 करोड़ के विकास परियोजनाओं व बांध सुरक्षा कार्य का लोकार्पण भी करेंगे। इसके लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री चार जुलाई को अपराह्न तीन बजे आएंगे और हनुमान प्रसाद पोद्दार कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान में कैंसर सिकाई की अत्याधुनिक मशीन का लोकार्पण करने के बाद गीता वाटिका परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

पांच जुलाई को मुख्यमंत्री सहजनवां के सिसवा अनंतपुर में 35.33 करोड़ की लागत से बने जयप्रकाश नारायन सर्वोदय बालिका विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। सभास्थल से सहजनवां, उनवल व खजनी में करीब 10.44 करोड़ की लागत से सड़क, सीसी रोड, नाली व इंटरलॉकिंग कार्य का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा राप्ती नदी पर बने बोक्टा–बरवार बंधे पर 8.12 करोड़ की लागत से बोल्डर से स्लोप पिचिंग कार्य एवं बाढ़ से बचाव के लिए करीब 80 लाख की लागत से परक्यूपाइन कार्य का शिलान्यास करेंगे। लौटते वक्त मुख्यमंत्री बोक्टा–बरवार व मलौली बंधे का निरीक्षण भी कर सकते हैं।

## दो दिन में दो मीटर बढ़ा राप्ती का जलस्तर

संवाददाता–संतकबीरनगर। नेपाल में हुई भारी बारिश का असर राप्ती नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि के रूप में दिखने लगा है। बढ़या स्थित राप्ती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। पिछले चौबीस घंटे में नदी के जलस्तर में जहां 86 सेमी की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं दो दिन में दो मीटर की बढ़त ने तटबंध से सटे गांव के लोगों को सतर्क कर दिया है। नदी का जलस्तर 76.360 मीटर पर पहुंच गया है। हालांकि नदी अभी भी खतरे के निशान 79.500 मीटर से तीन मीटर से अधिक नीचे है। पिछले कुछ दिनों से नेपाल के साथ आस–पास के जिलों में हो रही बारिश से दो दिनों में राप्ती नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।

## कार्य वाले चिकित्सक–कर्मचारी जिले में रहेंगे, न करने वाले करा लें ट्रांसफर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नवागत डीएम डॉ. राजागणपति आर की मौजूदगी में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में अधिकारियों–कर्मचारियों को पसीना आ गया। चार घंटे तक चली बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य कार्यक्रम के एक–एक बिंदुओं पर जानकारी हासिल की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कार्य करने वाले चिकित्सक–कर्मचारी जनपद में रहेंगे। काम न करने वाले दूरस्थ जिलों में स्थानांतरण करा लें।

उन्होंने पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत मौर्य की जिम्मेदारी तय करते हुए अल्ट्रासाउंड सेंटर्स को कार्यक्रम से जोड़ने की नसीहत दी। डीएम की एक बात चर्चा का विषय बना है कि हम संविदाकर्मियों को भर्ती करना जानते हैं, निकालने की प्रक्रिया क्या है। डीएम ने यह बात कहकर भगौड़े कर्मियों की ओर बड़ा इशारा कर दिया है। डीएम को बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती की जांच कराई जाती है। जांच में विभाग की ओर से निरूशुल्क अल्ट्रासाउंड सुविधा दी जाती है, लेकिन जनपद में सिर्फ 15 जुड़े निजी अल्ट्रासाउंड के जरिए यह सेवा मिल पा रही है, जबकि जनपद में 46 सेंटर्स पंजीकृत हैं। डीएम ने पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत मौर्य से साफ तौर पर कहा है कि सभी पंजीकृत निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर्स हर हाल में मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम पीएमएसएमए से जुड़ जाएं। इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वाकार्य नहीं है। मिठवल व बेंवा (डुमरियागंज) में सीजेरियन डिलिवरी कम होने पर नाराजगी जाहिर की। मिठवल में अधीक्षक डॉ. राम निवास, बेंवा में डॉ. रेखा सिन्हा व डॉ. विकास चौधरी बतौर स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के बाद भी ऑपरेशन कम होने पर डांट लगाया। उन्होंने कहा कि बेंवा में दो विशेषज्ञ होने के बाद भी सिर्फ सात ऑपरेशन कार्यशैली पर सवाल है। इसे सुधार लें। उन्होंने स्वास्थ्य समिति की बैठक से डाटा इंट्री ऑपरेटर को मुक्त कर दिया है। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम व बैम को रहने का निर्देश दिया है। डीएम ने सीएमओ, जिला लेखा प्रबंधक (डैम) व ब्लॉक लेखा प्रबंधक (बैम) का भुगतान के मामले में जवाबदेही तय कर दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि आशा भुगतान, जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), टीबी रोगियों का भुगतान समय से कर दिया जाए। इसमें लेटलतीफी, लापरवाही होने पर इन्हीं तीनों की जवाबदेही होगी। डीएम ने अधीक्षकों से कहा कि सिर्फ कार्यक्रम का लक्ष्य पूरा कर देने से काम नहीं चलेगा। इसे और बेहतर करने का प्रयास करें। चिकित्सक कार्यशैली को बेहतर कर लें। इसमें लापरवाही बिल्कुल न करें।

## अब एक यूनिट होल ब्लड से मिलेगा पीआरबीसी, प्लेटलेट्स–प्लाजमा

असंवाददाता–सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में बुधवार से ब्लड कंपोनेंट यूनिट का विधिवत संचालन शुरू हो गया। प्राचार्य डॉ. राजेश मोहन ने सीएमएस डॉ. एके झा की मौजूदगी में उद्घाटन किया। इस यूनिट के संचालित होने से अब एक यूनिट होल ब्लड से पीआरबीसी, प्लेटलेट्स व प्लाजमा आसानी से निकाला जा सकेगा। मरीज आसानी से जरूरत की चीजों का लाभ उठा सकेंगे। अभी तक ब्लड बैंक मरीजों को सिर्फ होल ब्लड ही उपलब्ध करा पाता था। अन्य जरूरतों के लिए रेफर होना मजबूरी था।

मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संयुक्त जिला अस्पताल के ब्लड बैंक से अभी तक मरीजों–तीमारदारों को सिर्फ होल ब्लड ही उपलब्ध हो पाता था। मरीजों को पीआरबीसी, प्लेटलेट्स व प्लाजमा की जरूरत होने पर भटकना पड़ता था, लेकिन अब यह सेवाएं मेडिकल कॉलेज में बुधवार से शुरू गया। प्राचार्य डॉ. राजेश मोहन ने कहा कि कंपोनेंट यूनिट के प्रारंभ होने के बाद जरूरत के हिसाब से प्रति यूनिट होल ब्लड 350 एमएल को मशीन में डाला जाएगा। जिसमें पीआरबीसी, प्लेटलेट्स व प्लाजमा अलग–अलग कटेगरी में बंट कर निकलेगा। जिसका तीन अलग–अलग प्रकार के मरीज तीमारदार लाभ उठा सकेंगे। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके झा ने कहा कि अभी तक मरीजों–तीमारदारों को सिर्फ होल ब्लड ही मिल पाता था। पीआरबीसी, प्लेटलेट्स, प्लाजमा की जरूरत पर रेफर करना पड़ता था। कंपोनेंट यूनिट के संचालित होने पर रेफर की समस्या खत्म हो जाएगी और लोगों को ब्लड बैंक से ही जरूरत के कंपोनेंट मिल जाएंगे। यह बड़ी उपलब्धि होने जा रही है।

इस अवसर पर सीएलटी अशोक कुमार त्रिपाठी समेत डॉ. राघवेंद्र वर्मा, लक्ष्मीकांत पांडेय, रणजीत प्रसाद, विजय लक्ष्मी चौधरी, ऋषभ खन्ना आदि मौजूद रहे।

## बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी बहादुर पुत्र स्वर्गीय श्री दयाराम ग्राम– बेलगड़ी पोस्ट– मिश्रौलिया थाना कोतवाली जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। मेरे दो पुत्र गिरधारी और किशन है। किशन परिवार के कहने–सुनने में नहीं है। आये दिन नशे में विवाद किया करता है। उसका चाल, चरित्र और संगत ठीक नहीं है। इससे दुखी होकर मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आये।

दिनांक 03–07–2024

## पांच अगस्त के बाद माध्यमिक स्कूलों में नहीं होंगे नामांकन

संवाददाता–संतकबीरनगर। परिषद ने शैक्षिक सत्र 2024–25 में कक्षा नौवीं और 11वीं में प्रवेश से लेकर पंजीकरण की समय सारिणी जारी कर दी है। जिले के 280 माध्यमिक स्कूलों में नौवीं और 11वीं में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में प्रवेश एवं पंजीकरण के लिए पांच अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इसके बाद माध्यमिक स्कूलों में नामांकन प्रक्रिया बंद हो जाएगी माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने निर्देश दिए है कि जिन विद्यालयों ने 10वीं में कंपार्टमेंट की परीक्षा दी है। उनका पंजीकरण 20 अगस्त तक किया जा सकेगा। प्रत्येक विद्यार्थी को पंजीकरण शुल्क के रूप में 50 रुपया जमा करने होंगे। वहीं इस शुल्क को प्रधानाचार्य को 25 अगस्त तक कोषागार में जमा करना होगा। उसके बाद में पंजीकृत विद्यार्थियों के आवेदनों की जांच 26 अगस्त से पांच सितंबर तक आवेदनों को यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। 30 सितंबर तक डीआईओएस कार्यालय में इसकी हार्ड कॉपी जमा करने की समय सीमा निर्धारित की गई है। डीआईओएस ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि छात्रों के पंजीकरण को लेकर सभी प्रधानाचार्यों को जानकारी दी जा रही है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने पाए, इसलिए अभी से से सभी को जानकारी दी जा रही है।

## सुधरेगी औद्योगिक क्षेत्र की बिजली व्यवस्था

संवाददाता–संतकबीरनगर। बिजली की बदहाल व्यवस्था का दंश झेल रहे औद्योगिक क्षेत्र के लोगों के लिए खुशखबरी है। लंबे जद्दोजहद के बाद बिजली निगम ने औद्योगिक क्षेत्र की बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए कार्य योजना तैयार कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर मड़या में नया विद्युत सब स्टेशन का निर्माण शुरू हो जाएगा। पांच माह में निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाएगा। उसके बाद औद्योगिक क्षेत्र के विद्युत सब स्टेशन से जुड़े ग्रामीण फीडरों को हटा कर मड़या सब स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा। इससे ट्रिपिंग की समस्या दूर होगी और मशीनों की रफ्तार में तेजी आएगी। इससे फैक्ट्रियों के उत्पाद में इजाफा होगा।

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उभूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 428/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)बस्ती महोदय जिला–बस्ती

श्रीमती शशिकला आदि

बनाम

श्रीमती प्रेमकला आदि

1. श्रीमती प्रेमकला उम्र लगभग 60 साल पत्नी मुक्तेश्वर मिश्रा 2. श्रीमती सूर्यकला उम्र लगभग 63 साल पत्नी सतीशचन्द्र पाण्डेय 3. श्रीमती जनकनन्दिनी पाण्डेय उम्र लगभग 58 साल पत्नी चन्द्राशु कुमार पाण्डेय निवासीगण हाल मुकाम ग्राम सोनूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 25–07–2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्शन प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com